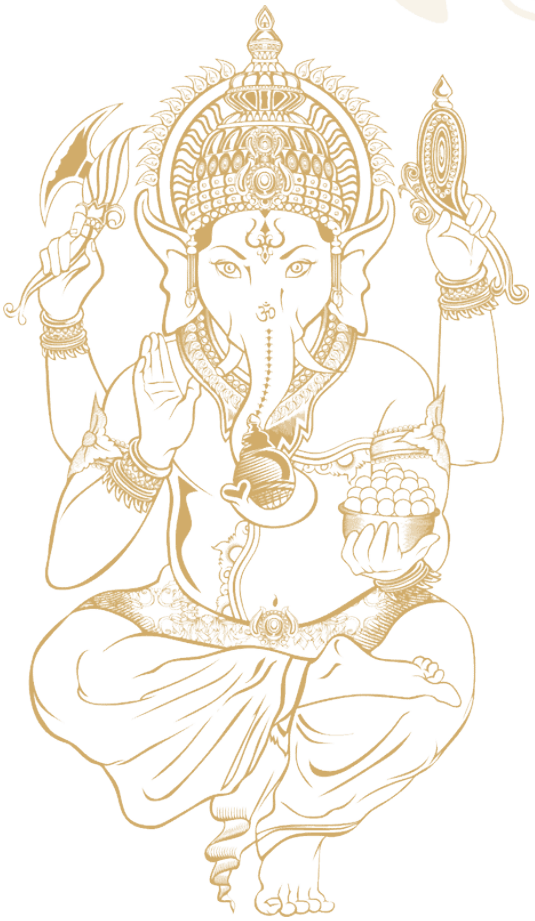

Mr.

TANYA NAYYAR

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121629107

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/11/1991	जन्म तिथि	06/10/1995
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:30:00	जन्म समय	19:58:00 घंटे
घटी 13:49:37	जन्म समय(घटी)	34:07:11 घटी
India	देश	India
Chandigarh	स्थान	Trivandrum
30:43:00 उत्तर	अक्षांश	08:30:00 उत्तर
76:47:00 पूर्व	रेखांश	76:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:22:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:09	सूर्योदय	06:10:22
17:21:47	सूर्यास्त	18:10:34
23:44:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 11वर्ष 1मा 0दि	02:51:40	कुंभ	लग्न	मेष	19:49:57	गुरु 11वर्ष 5मा 17दि
केतु	09:45:51	वृश्चि	सूर्य	कन्या	19:03:50	शनि
27/12/2019	08:53:19	कर्क	चंद्र	कुंभ	23:46:44	25/03/2007
26/12/2026	04:15:48	वृश्चि	मंगल	तुला	26:06:59	25/03/2026
केतु 24/05/2020	29:59:39	वृश्चि	बुध व	कन्या	15:47:25	शनि 28/03/2010
शुक्र 24/07/2021	19:01:59	सिंह	गुरु	वृश्चि	17:32:59	बुध 05/12/2012
सूर्य 29/11/2021	24:48:06	कन्या	शुक्र	तुला	01:34:06	केतु 14/01/2014
चन्द्र 30/06/2022	08:37:38	मक	शनि व	कुंभ	25:54:58	शुक्र 15/03/2017
मंगल 26/11/2022	16:35:35	धनु	राहु व	तुला	02:42:18	सूर्य 25/02/2018
राहु 14/12/2023	16:35:35	मिथु	केतु व	मेष	02:42:18	चन्द्र 27/09/2019
गुरु 19/11/2024	17:55:48	धनु	हर्ष	मक	02:43:34	मंगल 05/11/2020
शनि 29/12/2025	21:13:27	धनु	नेप	धनु	28:58:30	राहु 12/09/2023
बुध 26/12/2026	27:04:12	तुला	प्लूटो	वृश्चि	04:57:17	गुरु 25/03/2026

लग्न-चलित

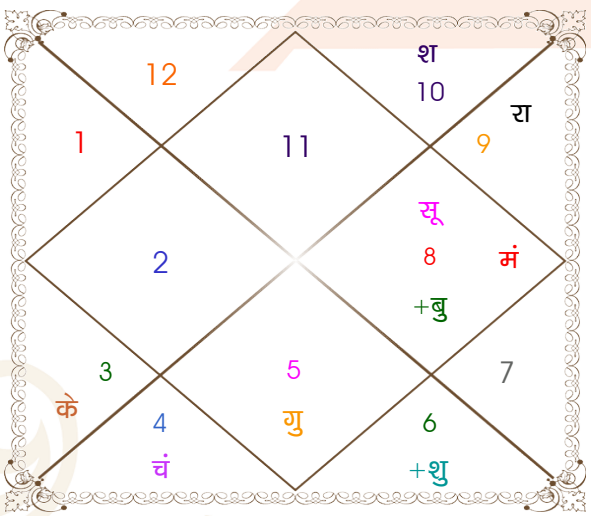

लग्न-चलित

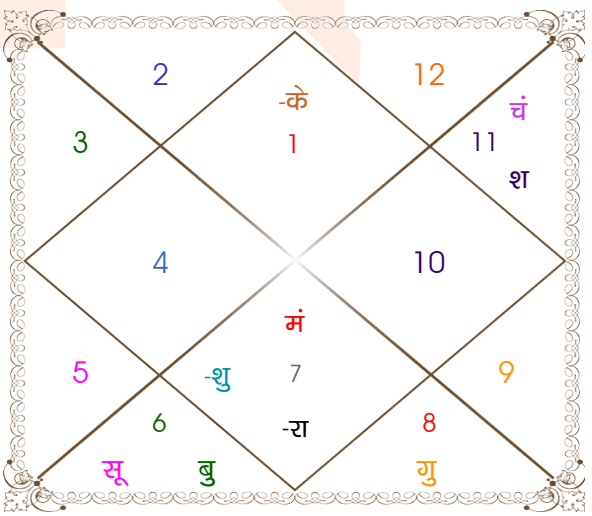

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मेष है तथा ज।छल। छ।ल्ल।त का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और ज।छल। छ।ल्ल।त का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ज।छल। छ।ल्ल।त मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ज।छल। छ।ल्ल।त कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Mr. तथा ज।छल। छ।ल्ल।त में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।